गणेशा सारे जग में | by Nayan Mehta

सारे जन रहते जहाँ, परिवार है कहलाता
जब प्यार में कमियां हो, वो घर है बिखर जाता
सारे जन रहते जहाँ.....

हर रोगी के जीवन में कई कर्म अलग होते
सबकी चाहत रहती, कुछ पल संग के जोते
ये वही समय होता, जब प्यार है बढ़ जाता
सारे जन रहते जहाँ.....

कुछ समय इसे घर अपना एक रंग दिखाया था
मिल जुल के कार्य किये, लगे प्रेम जगाया था
आपस का साथ बढ़ा, गहरा ही हुआ नाता
सारे जन रहते जहाँ.....

संतान व मात पिता, बस इतना नहीं काफी
संसार ही अपना है, जो दूरियां हैं नापी
नज़दीकियां बढ़ जाएँ, खुशहाल मैं कहलाता
सारे जन रहते जहाँ.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a5%87%e0%a4%b6%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a4%97-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-nayan-mehta/